

घाटे की पूर्ति हेतु वदियुत की खरीदारी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (UPPCL) ने पावर बैंकों के माध्यम से 11 राज्यों से 5,500 मिलियन यूनिट (Mu) वदियुत का व्यापार किया है।

- उच्च ऊर्जा मांग अवधि (अप्रैल-अक्टूबर) के दौरान लगभग 4,000 Mu की आपूर्ति की जाएगी।

मुख्य बडि:

- वर्ष 2023 में, राज्य ने 28,284 मेगावाट (MW) की उच्च मांग स्थापति की, जबकि पावर कॉर्पोरेशन ने मांग-आपूर्ति के अंतर को दूर करने के लिये पाँच राज्यों से 3,000 Mu ऊर्जा की व्यवस्था की।
- यूपी के पावर बैंकगि राज्य भागीदारों में मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात, पंजाब, जम्मू एवं कश्मीर और हिमाचल प्रदेश शामिल हैं।
- उत्तर प्रदेश की अधिकतम ऊर्जा मांग वर्ष 2024 में 31,000 MW और वर्ष 2028 तक 53,000 MW तक पहुँचने की संभावना है।
 - हालाँकि राज्य सरकार को उम्मीद है कि वह नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में पर्याप्त वृद्धि करेगी।
 - राज्य ने 4-5 वर्षों में 22,000 MW सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा है।

उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (UPPCL)

- 14 जनवरी 2000 को यूपी में वदियुत क्षेत्र के सुधारों और पुनर्रगठन के परिणामस्वरूप स्थापति किया गया, जो वदियुत क्षेत्र का केंद्र बडि है जो वदियुत के संचारण, वतिरण तथा आपूर्ति के माध्यम से क्षेत्र की योजना एवं प्रबंधन के लिये ज़िम्मेदार है।
- यह पेशेवर रूप से प्रबंधित उपयोगिता है जो राज्य के प्रत्येक नागरिक को विश्वसनीय और लागत कुशल वदियुत की आपूर्ति करती है।